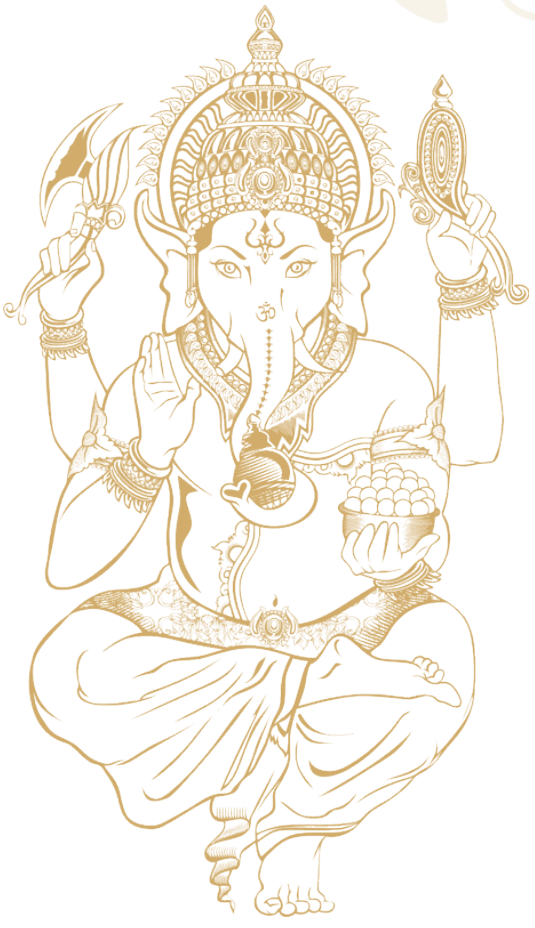

Abhishek p Singh

Garima Singh

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121302704

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
3-04/02/1996	जन्म तिथि	28/04/1998
शनि-रविवार	दिन	मंगलवार
घंटे 04:00:00	जन्म समय	18:58:00 घंटे
घटी 53:16:32	जन्म समय(घटी)	34:01:21 घटी
India	देश	India
Gorakhpur	स्थान	Gorakhpur
26:45:00 उत्तर	अक्षांश	26:45:00 उत्तर
83:23:00 पूर्व	रेखांश	83:23:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:03:32	स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:41:23	सूर्योदय	05:21:27
17:40:05	सूर्यास्त	18:27:01
23:48:17	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:53

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 5वर्ष 10मा 9दि		07:42:55	धनु	लग्न	तुला	21:44:46	चन्द्र 7वर्ष 6मा 20दि	
शुक्र		20:34:38	मक	सूर्य	मेष	14:13:48	राहु	
14/12/2025		12:33:18	कर्क	चंद्र	वृष	13:15:32	17/11/2012	
14/12/2045		27:03:24	मक	मंगल	मेष	17:39:45	17/11/2030	
शुक्र	14/04/2029	26:29:40	धनु	बुध	मीन	18:39:37	राहु	31/07/2015
सूर्य	14/04/2030	13:03:35	धनु	गुरु	कुंभ	25:13:46	गुरु	24/12/2017
चन्द्र	14/12/2031	00:03:01	मीन	शुक्र	मीन	00:18:03	शनि	30/10/2020
मंगल	12/02/2033	28:36:02	कुंभ	शनि	मेष	01:24:53	बुध	19/05/2023
राहु	13/02/2036	25:34:16	कन्या व	राहु व	सिंह	14:50:38	केतु	05/06/2024
गुरु	14/10/2038	25:34:16	मीन व	केतु व	कुंभ	14:50:38	शुक्र	06/06/2027
शनि	14/12/2041	07:31:20	मक	हर्ष	मक	18:45:45	सूर्य	30/04/2028
बुध	14/10/2044	02:08:52	मक	नेप	मक	08:19:19	चन्द्र	30/10/2029
केतु	14/12/2045	09:01:53	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	13:37:42	मंगल	17/11/2030

लग्न-चलित

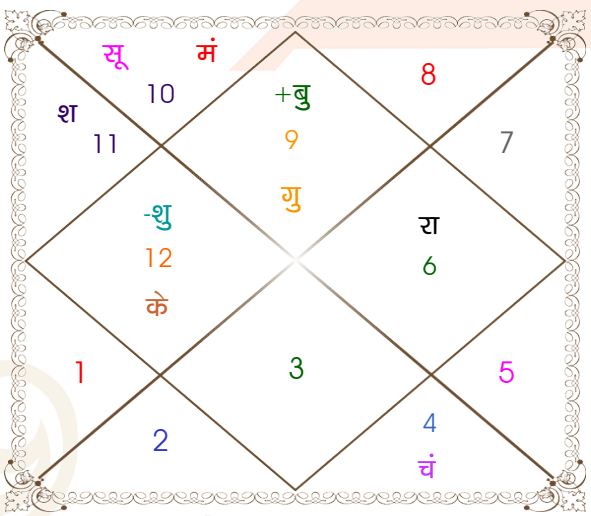

लग्न-चलित

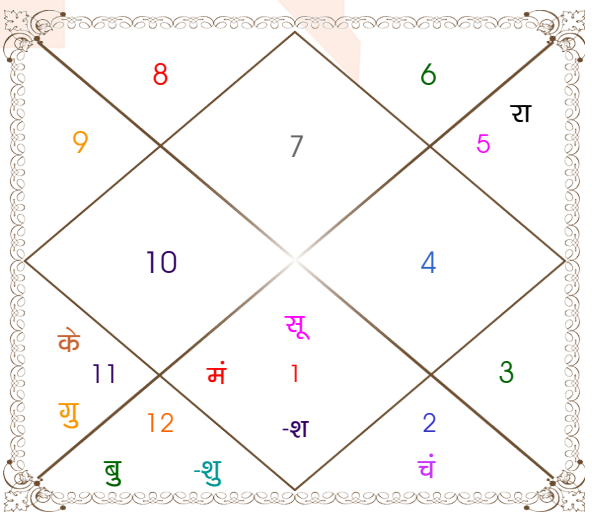

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

।ईपेंीमा चै पदही का वर्ग मेष है तथा ळंतपउें पदही का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ।ईपेंीमा चै पदही और ळंतपउें पदही का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

।ईपेंीमा चै पदही मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

ळंतपउें पदही मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल ळंतपउें पदही कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल ळंतपउें पदही कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि ।इीपेीमा चै पदही कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

।इीपेीमा चै पदही तथा ळंतपउै पदही में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।